जयपुर संभाग की 50 सीटों पर कांटे की टक्कर में फंसी है कांग्रेस

कहा जा रहा है कि, कांग्रेस 2018 जैसी सफलता नहीं दोहरा पाएगी

- **जयपुर जिले में वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 19 में से दस सीटें जीती थीं पर इस बार सिर्फ 5 सीटों पर कांग्रेस की स्थिति कुछ ठीक है, शेष पर बहुत कड़ा मुकाबला है और भाजपा भारी पड़ती दिख रही है।**
- **दौसा जिले में 5 सीटों में चार पर कांग्रेस की हालत खराब है, सिर्फ दौसा शहर में ही हालत कुछ ठीक दिख रही है।**
- **जयपुर संभाग में झुंझुनूं व सीकर में 2018 में कांग्रेस ने एक तरफा जीत हासिल की थी पर इस बार मुकाबला बराबरी का है।**
- **अलवर जिले में बागियों के कारण चुनाव नतीजे प्रभावित होते दिख रहे हैं।**

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। जयपुर संभाग झुंझुनू , सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर शहर ,दौसा और अलवर में कुल मिलाकर करीब 50 विधानसभा सीट हैं, जिनमें 2018 में कांग्रेस को भारी सफलता मिली थी। कांग्रेस को यहां 2013 के मुकाबले करीबन 20 सीटों का फायदा हुआ था, और पार्टी ने 31 सीटें जीती थी। वहीं आठ सीटों पर बसपा और निर्दलीय जीते थे और वे भी सरकार के साथ आए थे।

सवाल यह है कि क्या इस बार भी मतदाताओं का मूड वैसा ही है, इन क्षेत्रों में लोगों से चर्चा करने के बाद जो तस्वीर उभर रही है, उससे एक बात तो स्पष्ट है कि कांग्रेस इस बार जयपुर संभाग में वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। जैसा 2018 में किया था। वहीं कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है। कुछ सीटों पर तीसरे उम्मीदवार को मिले वोट भारी उलटफेर कर सकते हैं। यहां तीसरा उम्मीदवार समीकरणों में बदलाव कर सकता है, इसलिए कुछ सीटों पर तीसरे उम्मीदवार को मिलने वाले जीत तय करेंगे।

2018 में झुंझुनू में दो सीट भाजपा, एक बसपा के खाते में गई थी। बाकी 4 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार माहौल बदला हुआ है, यहां 5 सीटों खेतड़ी, उदयपुरवाटी, पिलानी, मंडावा और नवलगढ़ में भाजपा मजबूत नजर आ रही है, वही दो सीटों झुंझुनू और सूरजगढ़ में कांग्रेस आगे है। वर्ष 2018 में सीकर जिले की सभी आठों सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया था, लेकिन इस बार बराबरी का मुकाबला नज़र आ रहा है। इस बार सीकर जिले की सीकर दातारामगढ़ सीट पर कांग्रेस मजबूत दिख रही है, वही लक्ष्मणगढ़ ,नीम का थाना और फतेहपुर में मुकाबला कांटे का है तथा खंडेला, श्रीमाधोपुर और धोद में भाजपा मजबूत नजर आ रही है।

जयपुर जिले में 19 सीटें हैं। गत चुनाव में कांग्रेस ने 10 सीटें प्राप्त की थी और तीन सीटों पर निर्दलीय जीत कर आए थे भाजपा के खाते में कुल 6 सीटें आई थीं। इस बार जयपुर ग्रामीण की फुलेरा, आमेर और शाहपुरा सीट पर तथा जयपुर शहर की हवा महल और किशनपोल सीट पर कांग्रेस मजबूत नजर आ रही है। वही जयपुर ग्रामीण की चोमू, कोटपूतली, विराटनगर और दूदू सीट पर कड़ा मुकाबला है। चौंमू सीट पर तो आरएलपी उम्मीदवार को मिलने वाले वोट ही हार जीत तय करेंगे। जयपुर शहर की आठ में से तीन सीटों सांगानेर,विद्याधर नगर और बगरू में भाजपा की मजबूत स्थिति दिख रही है। मालवीय नगर, सिविल लाइंस और आदर्श नगर में मुकाबला काफी कड़ा नजर आ है।

दौसा जिले में 2018 में कांग्रेस ने 4 सीटें जीती थीं। एक सीट निर्दलीय के हिस्से में आई थी। इस बार मुकाबला बिल्कुल अलग होता दिख रहा है और दौसा शहर में जहां कांग्रेस मजबूत नज़र आ रही है, वही बाकी चार सीटों बांदीकुई ,महुआ, सिकराय और लालसोट में कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए स्थितियां सहज नहीं लग रही हैं। अलवर जिले में इस बार भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों के बीच में कई जगह तीसरा उम्मीदवार समीकरणों में बदलाव करता दिख रहा है।

रामगढ़ और मुंडावर के अलावा तिजारा में कांग्रेस की स्थिति ठीक है पर राजगढ़ लक्ष्मणगढ़, बहरोड और बानसूर में निर्दलीय उम्मीदवारों ने कांग्रेस के लिए परेशानी खड़ी कर दी है।

मतदान की पूर्व संध्या पर मतदाता ज्यादा मुखर नहीं है फिर भी कई जगहों पर घूमने के बाद जो तस्वीर सामने आई है उससे लगता है कि इस बार कांग्रेस वैसा प्रदर्शन करती नज़र नहीं आ रही है जैसा 2018 में किया था।

गाजा में इजराइल, हमास के बीच संघर्ष विराम शुरू

गाजा, 24 नवंबर। गाज़ा पट्टी में इज़रायल-हमास युद्ध में चार दिवसीय संघर्ष विराम प्रभावी हो गया है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी ए.एफ.पी. ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट दी।

इज़रायल और हमास के बीच लगभग सात सप्ताह चले संघर्ष में पहली राहत की शुरुआत हो गई है। हमास की ओर से महिलाओं और बच्चों सहित 13 बंधकों के समूह को मुक्त करने और संकटग्रस्त गाजा पट्टी में सहायता के प्रवाह को बढ़ाने की उम्मीद है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संघर्ष विराम सुबह सात बजे (अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार तड़के पांच बजे) शुरू होना था। युद्धिवराम के हिस्से के रूप में कुछ फ़िलिस्तीनियों को बाद में इज़रायली जेलों से रिहा किया जाना है।

जानकारी के अनुसार, कतर की मध्यस्थता से शुक्रवार सुबह चार दिवसीय संघर्ष विराम के प्रभावी होने के बाद बड़ी संख्या में विस्थापित लोग गाज़ा में घर लौटने का प्रयास करने लगे जिस पर इजरायली सेना ने उन्हें उत्तरी गाज़ा की ओर जाने से रोका।

उत्तरी गाजा सीमा से बाहर ये विस्थापित फिलिस्तीनी युद्ध विराम की समय सीमा लागू होने के बाद अपने घरों में लौटने का प्रयास कर रहे थे। इज़राइली सेना ने लोगों को चेतावनी दी है कि, उन्हें युद्धग्रस्त क्षेत्र उत्तर गाज़ा में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

'अल जजीरा' न्यूज चैनल के वीडियो में फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा पट्टी में बेत लाहिया में अपने घरों में लौटते हुए दिखाया गया है। इज़रायली सेना ने लोगों को रोकने का प्रयास किया।

टोंक में सचिन पायलट ने घर-घर जाकर दस्तक दी

चुनाव प्रचार थमने के बाद टोंक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट ने घर-घर जाकर -सम्पर्क किया। इस दौरान वैश्य समाज ने पायलट को अपना खुला समर्थन दिया।

- **इस अभियान में वैश्य समाज ने पायलट को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।**
- **रैगर समाज, मुस्लिम समाज सेवियों के समूह ने पायलट के प्रति समर्थन जताया।**

टोंक, 24 नवम्बर (निस)। टोंक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट ने चुनाव प्रचार थमने के बाद घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और कांग्रेस को विजय बनाने के लिए सभी लोगों से अपील की ।

पायलट ने कहा कि मैं चुनाव नहीं लड़ रहा यह चुनाव टोंक की जनता लड़ रही है । कांग्रेस सरकार 7 गारंटी योजनाओं के साथ प्रदेश में फिर से रिपीट हो रही है। कल देर शाम रैगर समाज के सैंकड़ों लोगों ने उपसभापति बजरंगलाल वर्मा, भूपेंद्र आलोरिया, धर्मेंद्र सालोदिया के नेतृत्व में सचिन पायलट के प्रति समर्थन की घोषणा की ओर अल्पसंख्यक समाज के समाजसेवियों ने आबिद कागजी के नेतृत्व में भी बड़ी संख्या में पायलट से मिलकर जीत का भरोसा दिया।

आज सुबह राजेंद्र गोयल के नेतृत्व में वैश्य समाज के सैंकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों ने सचिन पायलट से मिलकर खुला समर्थन देने की घोषणा की और जीत का संकल्प लिया । सचिन पायलट ने आज कोर्ट परिसर में वकीलों से भी मुलाकात की तथा अपने लिए समर्थन मांगा और कहा चुनावी वादों को पूरा करने में टोंक शहर में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी । इसी प्रकार आज दोपहर जिला कांग्रेस कमेटी में भाजपा कार्यकर्ता जमना महावर एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सतवीर गुर्जर ने भी भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने सचिन पायलट और जिला अध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा के समक्ष कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली और पायलट के पक्ष में भारी मतों से विजय संकल्प लिया । इस मौके पर कांग्रेस नेता सुनील बंसल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शैलेश गुर्जर, हंसराज गाता, आतिफ नकवी, देवनारायण गुर्जर, अरशद, आमिर फारूकी आदि कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार व बोलेरो की भीषण टक्कर

- **भादासर गांव के पास हुए इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई व चार घायल हो गए।**
- **बताया जाता है कि, बोलेरो में सवार 6 लोग शादी में शामिल होकर लौट रहे थे, जब यह हादसा हुआ।**
- **घायलों का बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में उपचार चल रहा है।**

सरदारशहर, 24 नवम्बर (निसं)। तहसील के गांव भादासर के पास गुरुवार देर रात्रि को कार और बोलेरो की भीषण भिड़ंत में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार दुलरासर गांव के 6 लोग बारात में डूंगरगढ़ गए हुए थे। देर रात को बोलेरो में सवार होकर आते समय सामने से आ रही एक कार से जबरदस्त टक्कर हो गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 6 लोगों को 108 एंबुलेंस की सहायता से राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बीकानेर रैफर कर दिया गया। बीकानेर में इलाज के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में से चार लोग दुलरासर गांव के हैं और एक यू.पी. का बताया जा रहा है। थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि, गांव दुलरासर के ललित पुत्र श्यामलाल पारीक की शादी थी। जिसकी बारात बीकानेर जिले की डूंगरगढ़ तहसील में गई हुई थी। वापस आते समय बीकानेर रोड पर भादासर के पास आमने -सामने कार व बोलोरो गाड़ी की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। मृतकों में दुलारासर गांव के मुरलीधर पारीक, पुत्र परसाराम पारीक, नोपाराम पारीक पुत्र मालाराम पारीक, मदनलाल पुत्र हरुराम पारीक, भोम सिंह पुत्र मेजरसिंह सहित यू.पी. का रहने वाला एक व्यक्ति शामिल है। दुलरासर गांव के मालाराम, पुत्र मोहनराम, श्रवण पुत्र दुलाराम और उत्तर प्रदेश के रहने वाले दो अन्य घायलों का इलाज बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल में जारी है। तीन मृतकों के शव सरदारशहर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए, जिन्हें पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। दो मृतकों के शव बीकानेर के पी.बी.एम. अस्पताल की मोर्चरी में रखे हैं। जिनका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। हादसे के बाद दुलरासर गांव में शादी की खुशियां मातम बदल गईं। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को लेकर मोदी संवेदनशील

देहरादून/उत्तरकाशी, 24 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर भी बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टनल से बाहर आने पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और जरूरत पड़ने पर हॉस्पिटल या घर भेजने की व्यवस्था के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री मोदी रोजाना सिलक्यारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को फोन कर अपडेट ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी से बातचीत में शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने बचाव कार्य में उत्पन्न होने वाली बाधा और रुकावट के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड से इस सुरंग का निर्माण किया जा रहा है।

चीन से एक बार फिर वायरस संक्रमण फैलने का खतरा मंडराया

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **हालांकि, भारत सरकार ने संक्रमण फैलने की संभावना नगण्य बताई और कहा कि, उसकी हर स्थिति से निपटने की तैयारी है।**
- **चीन से नवम्बर के मध्य में बच्चों में निमोनिया जैसा संक्रमण फैलने की खबरें सामने आई हैं।**

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने माना है कि एच9 एन 2 वायरस के चीन से फैलने की संभावना "कम" है और देश किसी भी तरह की "सार्वजनिक अत्यावश्यकता" के लिए तैयार है।

चीन पिछले कुछ हफ्तों से श्वसन संबंधी एक अज्ञात बीमारी के बढ़ने की समस्या से जूझ रहा है। बीजींग और लिओनिंग प्रांत जैसे देश के उत्तरी भागों में बच्चों में इस बीमारी के केस विशेष तौर पर अधिक पाए गए हैं। स्थानीय खबरों के अनुसार संक्रमित बच्चों में फेफड़ों की सूजन के साथ ही तेज बुखार है। चीन के अधिकारियों ने गत 13 नवम्बर को कहा था कि श्वसन तंत्र की बीमारी में तेजी से वृद्धि होने का कारण लॉकडाउन की बंदिशों में कमी होना है तथा फेफड़ों को संक्रमित करने वाला माइकोप्लाज़्मा निमोनिया इसकी वजह से हो सकता है।

यद्यपि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस के प्रकोप के बाद चीन की सरकार से डेटा उपलब्ध करवाने को कहा है और साथ ही नागरिकों से यह अनुरोध किया है कि वे मास्क पहनने, सोशल डिस्टैंसिंग की पालना करने और अस्वस्थ महसूस करने की स्थिति में घर में ही रहने की जरुरी सावधानियां बरतें। ये उपाय तीन वर्ष तक मौजूद रही कोविड की वैश्विक महामारी की याद दिलाते हैं जिसमें पूरी दुनिया एक तरह से थम गई थी।

संयोगवश, इस नए प्रकोप की "प्रोमैड" ने भी चेतावनी जारी की है। प्रोमैड एक डिज़ीज़ सर्विलांस सिस्टम है जिसने वर्ष 2019 के अन्त में "वुहान" में फैले रहस्यमय संक्रमण के बारे में चेतावनी थी।

भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने नए वायरस के चीन से संभावित प्रकोप के मद्देनज़र तैयारियों पर चर्चा के लिए डायरैक्टर जनरल ऑफ हैल्थ सर्विसेस (डी.जी.एच.एस.) की अध्यक्षता में हाल ही एक मीटिंग आयोजित की। मीटिंग में इस बात पर जोर दिया गया कि मानव, पशुपालन और वानिकी सैक्टरों में सतर्कता बढ़ाने और समन्वय तंत्र को मजबूत करने की जरुरत है। मीटिंग में इस तथ्य पर भी गौर किया गया कि कोविड महामारी के बाद देश के हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय मजबूती आई है। वर्ष 2003 की सार्स महामारी और वर्ष 2019 की वैश्विक महामारी कोविड को हल्के में लेने के कारण चीन पहले ही आलोचनाएं झेल चुका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि चीन को बीमारी के इस प्रकोप पर एक "पारदर्शी तरीके" से नियंत्रित करना चाहिए।

ड्रिलिंग में बाधा आने से हल्का हुआ बचाव अभियान

सिलक्यारा/देहरादून, 24 नवंबर। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 कार्मिकें को बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन शुक्रवार शाम भी जारी रहा। इस संबंध में प्रबंध निदेशक महमूद अहमद ने बताया कि, ऑगर मशीन से 45 मीटर के बाद ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 1.8 तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई थी। इस प्रकार कुल 46.8 से आगे की ड्रिलिंग के बाद धातु के टुकड़े मशीन में फंसने से ड्रिलिंग रोक दी गई थी।

संजीवनी केस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहलोत राजनीति करते हुए केवल जांच को भटकाने का काम कर रहे हैं। जब अशोक गहलोत ने शेखावत की मां समेत पूरे परिवार पर संजीवनी घोटाले में शामिल होने के आरोप लगाए तो शेखावत ने गहलोत के खिलाफ दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट में मानहानि का केस किया है, जिसमें अब तक गहलोत को राहत नहीं मिली है। राजनीतिक कारणों से राजस्थान सरकार इस केस को सीबीआई को सौंप नहीं रही है, जबकि मल्टी स्टेट सोसाइटी होने के कारण इसकी जांच सीबीआई द्वारा नियमित जमा पर प्रतिबंध योजना अधिनियम 2019 के तहत की जानी चाहिए।

मंडावरी में भाजपा प्रत्याशी पर अज्ञात लोगों ने हमला किया

भाजपा प्रत्याशी रामनिवास मीणा ने घटना की पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई तथा उनके समर्थकों ने थाने में भारी हंगामा किया

- **बताया जाता है कि, चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद जब मीणा अपने समर्थकों के साथ घर-घर जाकर प्रचार कर रहे थे, तब अज्ञात हमलावरों ने मीणा पर हमला कर दिया, उनके वाहन में भी तोड़ फोड़ की।**

मंडावरी, 24 नवम्बर (निस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रामविलास मीणा पर मंडावरी थाना क्षेत्र के किशोरपुरा गांव में अज्ञात लोगों ने हमला कर उनके वाहन में तोड़फोड़ की। इसके बाद मीणा के समर्थकों ने थाने में भारी हंगामा कर दिया। गुरुवार शाम 6 बजे चुनाव प्रचार पर रोक लगने के बाद जब भाजपा प्रत्याशी मीणा किशोरपुरा गांव से होकर डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे थे, तब उनकी गाड़ी पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया व तोड़फोड़ की।

भाजपा प्रत्याशी द्वारा मंडावरी थाने पर मामला दर्ज कराया गया है। थाने में भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने हमला एवं तोड़फोड़ की घटना के विरोध में जम कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। जिस समय भाजपा प्रत्याशी के समर्थक थाने पर हंगामा कर रहे थे तब एक पुलिसकर्मी ने हंगामे का वीडियो बनाने की कोशिश की जिस पर मीणा समर्थकों व पुलिस के बीच और तेज झड़प हो गई। मीणा समर्थकों द्वारा पुलिस पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए थाने में करीब 3 घंटे से ज्यादा रुक कर विरोध जताया गया। घटना की जानकारी मिलने पर रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम नरेंद्र मीणा एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक रामचंद्र नेहरा एवं डिप्टी एसपी अरविंद कुमार गोयल थाने पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने भाजपा प्रत्याशी को समझाया तब जाकर मामला जो रात दस बजे शुरु हुआ था, रात डेढ़ बजे शांत हुआ।

पायलट की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1 दिन पहले टोंक विधायक और कांग्रेस उम्मीदवार सचिन पायलट ने राजस्थान की जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी बातों को भुलाकर हम सब लोग मिलकर राजस्थान में नया इतिहास बनाने के लिए कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान करें। सचिन पायलट ने कहा कि मैं राजस्थान के सभी मतदाताओं के साथ, उन क्षेत्रों के मतदाताओं से भी अपील करना चाहता हूं जहां मैं नहीं पहुंच सका। ऐसे में आप सभी मिलकर कांग्रेस के पक्ष में भारी मतदान करें। सचिन पायलट की ओर से की गई इस अपील को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी अपने एक्स हैंडल से रीपोस्ट किया।

'विश्व कप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगे होर्डिंग्स हटाकर विश्व कप वाले होर्डिंग्स लगा दिए जाते।

उक्त नेता ने अपने फोन पर सुप्रिया को एक पोस्टर की तस्वीर भी दिखाई, जिसमें मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पहन रखी थी और उनके हाथ में ट्रॉफी और चेहरे पर बड़ी मुस्कुराहट थी दूसरे हाथ से "विक्ट्री" का निशान बना रहे थे।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि, भारतीय टीम को देश के कुछ प्रदेशों की राजधानियों में खुली बस में घुमाने का भी प्रस्ताव था, जिसमें जयपुर भी शामिल था। तस्वीर शेयर करने की श्रीनेत की प्रार्थना पर उक्त नेता ने यह कहते हुए इंकार कर दिया कि यह "तस्वीर" कुछ ही लोगों के पास है, मैं फंस जाऊंगा वरना मैं आपको जरूर दे देता। भाजता नेता ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के साथ भारतीय खिलाड़ियों का जयपुर में रोड शो कराने की भी योजना थी, जिसमें आई.सी.सी. ट्रॉफी भी रखी थी।

रोचक बात यह है कि उक्त नेता ने यह योजना और तस्वीर सुप्रिया श्रीनेत से साझा की और कहा कि यह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का टॉप सीक्रेट है वे इसके बारे में किसी को भी न बताएं।

हिण्डौन में विधायक भरोसीलाल पर बदमाशों ने हमला किया

विधायक की आँख व मुंह पर चोट आई, घटना का ब्यौरा देते हुए भरोसी लाल जाटव रो पड़े

- **कांग्रेस सरकार में मंत्री भरोसी लाल के पुत्र बृजेश जाटव हिण्डौन से बसपा के प्रत्याशी हैं।**
- **बताया जाता है कि, बदमाशों ने स्वागत करने के नाम पर गाड़ी रूकवाई, जैसे ही भरोसी लाल जाटव गाड़ी से उतरे तो उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।**
- **भरोसी लाल ने आरोप लगाया कि, हमलावर कांग्रेस प्रत्याशी अनीता जाटव के पक्ष में नारे लगा रहे थे।**

हिण्डौन सिटी, (कासं)। हिण्डौन विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व मंत्री भरोसी लाल जाटव पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने हमला कर घायल कर दिया। घटना की जानकारी देते समय विधायक भरोसी लाल जाटव मीडिया के सामने रो पड़े, लोगों ने उन्हें ढ ढ स बंधाया। घटना को लेकर स्थानीय जनता व विधायक के समर्थकों में रोष व्याप्त है। ज्ञात रहे कि विधायक भरोसी लाल जाटव के पुत्र बृजेश जाटव हिण्डौन विधानसभा क्षेत्र से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, हिण्डौन विधायक भरोसी लाल जाटव अपने पुत्र बृजेश जाटव के लिए चुनाव प्रचार कर गुरुवार शाम को कुढावल गांव से वापस लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि, रास्ते में कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी को स्वागत करने के नाम पर रोका। वे जैसे ही गाड़ी से उतरे कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का मुक्की की तथा सड़क पर गिरा दिया। जिससे उनकी आंख व मुंह पर चोट आई। विधायक भरोसी लाल जाटव बीमारी के कारण बोल नहीं सकते इसलिए उन्होंने कागज पर लिखकर बताया कि, आरोपी कांग्रेस प्रत्याशी अनीता जाटव के नारे लगा रहे थे। घटना के तुरंत बाद विधायक के सुरक्षाकर्मी ने उन्हें सड़क से उठाकर गाड़ी में बैठाया और सुरक्षित घर लेकर आए। मामले में अभी विधायक की ओर से कोई प्राथमिक दर्ज नहीं कराई गई है।

शुक्रवार को समर्थकों के साथ घटनाक्रम की पूरी जानकारी मीडिया को देते समय भरोसी लाल फूट-फूट कर रो पड़े। वहां उपस्थित लोगों ने विधायक पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि, लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है।

इस घटना को लेकर बसपा प्रत्याशी व विधायक भरोसी लाल जाटव के पुत्र बृजेश जाटव ने कहा कि, उनके पिता पर कायरतापूर्ण हमला किया गया है इससे वह डरेंगे और घबराएंगे नहीं। जनता उनके साथ है। उन्होंने यह भी बताया कि, गत रात्रि को ही जब वे करसौली गांव में चुनाव प्रचार के लिए गए थे तब वहां भी कुछ उपद्रवी लोगों ने उनके साथ अभद्रता की और पथराव करने का प्रयास किया।

...ताकि अपाहिजों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"इम्प्रेशन" नहीं छोड़ना चाहता था कि, फ्रांस के वेटर ईमानदार नहीं चोर हैं, और चेंज लेकर भाग जाते हैं।" अमेरिकी टूरिस्ट ने भी जवाब दिया, "मैंने तुम्हारे ऊपर पैमैन्ट लेने के लिये दबाव डाला, क्योंकि दो स्टॉप के बाद मुझे भी उतरना था, मैं यह "इम्प्रैशन" नहीं छोड़ना चाहता था कि, अमेरिकी टूरिस्ट बड़ी चालाकी से बिना पेमैन्ट किये वाइन पी गया और फिर ट्रेन से उतर गया। मैं अपने देश के टूरिस्ट की छवि, फ्रांस के वेटर के सामने कतई नहीं गिरने देना चाहता था।"

मु.मंत्री गहलोत ने जितनी भी "रियायतें" चुनाव की पूर्व संध्या पर जनता में बांटी, वो सिद्धांत रूप से पूर्णतया खरी हैं, बड़ी लोकलुभावन हैं, सिद्धांत रूप से उनमें कमी नहीं निकाली जा सकती। गरीब की, दलित की, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की मदद करने का नारा कभी विवादित नहीं हो सकता। पर, अगर नारों का मकसद केवल चुनाव में वोट बटोरना ही है, जैसा लग रहा है, तो यह दलित, गरीब वर्ग की कमजोर स्थिति का उपहास ही है। ये "योजनाएं" बहुत देर से शुरू हुईं, सरकार के जाने के समय से कुछ महीनों पहले। बजट का प्रावधान पैसे का इंतजाम कहां है, क्योंकि सचिवालय में चर्चा है कि, अगले माह की तनख्वाह भी देर से मिली सरकारी कर्मचारियों को, क्योंकि वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है।

बहरहाल, अगर जनता का विश्वास सरकार के वादों पर, उसके नारों पर से उठ गया तो, अक्षुण्ण हानि होगी, क्योंकि नारे व सोच पवित्र हैं उनका क्रियान्वयन कमजोर व लचर है।

चिरंजीवी योजना का पैकेज चाहे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई थी। परन्तु सरकार और प्राईवेट अस्पतालों के बीच अविश्वास के कारण ही आर.टी.एच. के खिलाफ डॉक्टरों ने रैली निकली थी और फल स्वरूप राज्य सरकार ने इस अधिनियम को लागू करने के लिए बजट आज की तारीख तक भी तय नहीं किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के बड़े शहरों में बने मल्टी-स्पैशलिटी अस्पतालों में सरकारी योजनाओं की दरों और भुगतान से संबंधित मुद्दों के कारण ही पूरी तरह लागू नहीं किया जा रहा है। बल्कि छोटे शहरों में भी बने अस्पताल चिरंजीवी की अव्यवहारिक दरों से परेशान हैं। करौली जिले में बने एस.आर. अस्पताल के डॉ. जे.पी. गुप्ता ने कहा कि चिरंजीवी के तहत 'जनरल मैडिसिन' और 'पीडिएटरिक मैडिसिन' के पैकेजों की दरें बहुत ही अव्यवारिक है। उन्होंने बताया कि 24 घंटे भर्ती रहे मरीज़ के लिए अस्पताल को केवल 1800 रूपये मिलते हैं, "पिछले वर्ष तक यह दर 1000 रूपये थी।" उन्होंने कहा कि इन दरों पर कोई प्राईवेट अस्पताल कार्य नहीं कर सकता।

उल्लेखनीय है कि चुनावी वर्ष के दबाव और आर.टी.एच. के खिलाफ हुई डॉक्टरों की रैली की शर्मिंदगी को देखते हुए राज्य सरकार ने चिरंजीवी योजना के तहत कई मेडिकल पैकेजों की दरों में बदलाव किया और उनका भुगतान भी समय पर शुरु किया। फलस्वरुप वर्ष 2022-23 में प्राईवेट अस्पतालों को 1146 करोड़ रुपए के 'क्लेम' का भुगतान किया गया।

डॉ. जे.पी. गुप्ता ने बताया कि चिरंजीवी के अन्तर्गत पिछले केवल 4-6 महीनों में कई पैकेजों की दरें बदली गई है, जिनमें से ज्यादातर "कॉमप्लीकेटिकड सर्जरी" से संबंधित पैकेज हैं। इसलिए बडे शहरों में अस्पताल अब चिरंजीवी योजना के तहत मरीजों को भर्ती करने लगे है, परन्तु यह स्थिति भी आदर्श स्थित नहीं है। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी योजना के अन्तर्गत किसी भी मेडिकल पैकेज का कुल खर्च 25 लाख रूपये नहीं होता है इसलिए शायद प्रदेश में किसी भी लाभार्थी पर 25 लाख रूपये खर्च नहीं हुए है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दरें तय करने से पहले, "नॉन-मैडिकोज़" या सरकारी अफ़सरों से ही सुलह मशवरा किया होगा, बजाए डॉक्टर्स से।

शिव कुमार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिवीजन बैंच में कहा कि वह अपील पर दो सप्ताह के भीतर अपना निर्णय दे। अब इसी अपील पर आगामी 29 नवम्बर को सुनवाई होगी।

इस बीच कर्नाटक सरकार ने सी.बी.आई. को दी गई अनुमति को वापस लेने का कदम उठा दिया है।

कर्नाटक के विधि एवं संसदीय कार्यमंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि सरकार ने सी.बी.आई. को केस हैण्डओवर ना करने का निर्णय लेने से पूर्व तत्कालीन एवं वर्तमान महाधिवक्ता की राय भी ली।

पाटिल ने कहा कि "मंत्रिमण्डलीय निर्णय के बाद अगले कुछ दिनों में प्रशासनिक स्वीकृति भी दे दी जाएगी।" यह पूछे जाने पर कि क्या यह पक्षपात नहीं है, पाटिल ने कहा कि कानूनी पहलू का ध्यान रखा गया है और हमने नियम कायदों का ही अनुसरण किया है।

आयकर विभाग व प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अलग-अलग जांच किए जाने के बाद सी.बी.आई. ने प्रिवैन्शन ऑफ करप्शन (पी.सी.) के तहत शिवकुमार के विरुद्ध केस दायर किया था। राज्य सरकार ने शिवकुमार के विरुद्ध अभियोजन की कार्यवाही शुरु कर दी थी, जिसे बाद में सी.बी.आई. के सुपुर्द कर दिया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908